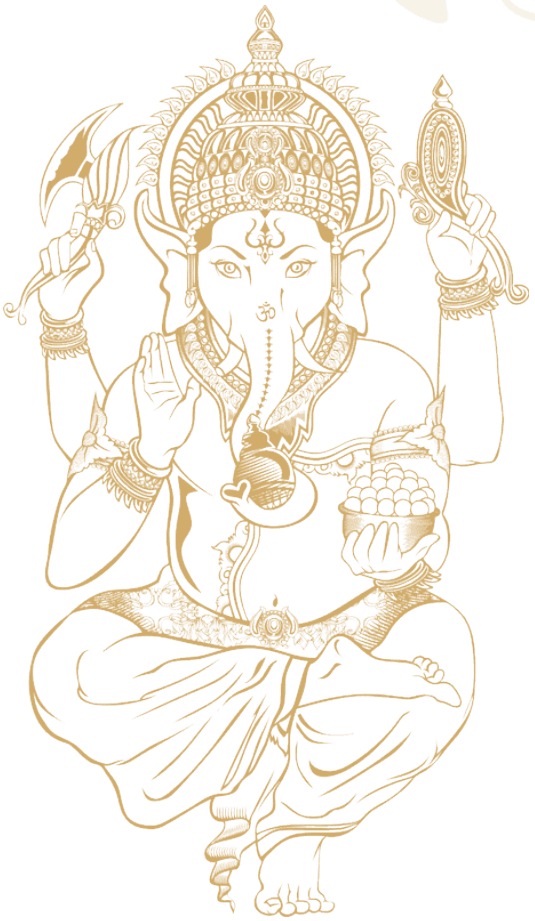

Ajaye karnani

31 May 2002

10:23 AM

Kolkata

Model: web-freekundliweb

Order No: 120984004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/05/2002**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:23:00 घंटे**
इष्ट	13:47:17 घटी
स्थान	**Kolkata**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	88:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:46:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:24 घंटे
साम्पातिक काल	03:20:30 घंटे
सूर्योदय	04:52:05 घंटे
सूर्यास्त	18:16:34 घंटे
दिनमान	13:24:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:41:28 वृष
लग्न के अंश	29:42:14 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:42:14	323:07:59	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	15:41:28	00:57:31	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	14:11:03	12:33:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			मिथु	07:54:05	00:39:27	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	09:48:46	00:30:04	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	22:31:42	00:12:01	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	18:49:20	01:11:20	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि		अ	वृष	23:21:59	00:07:45	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
राहु			वृष	23:58:52	00:00:52	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:58:52	00:00:52	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:56:47	00:00:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	17:00:42	00:00:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:34:38	00:01:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	28:38:25	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:09

लग्न-चलित

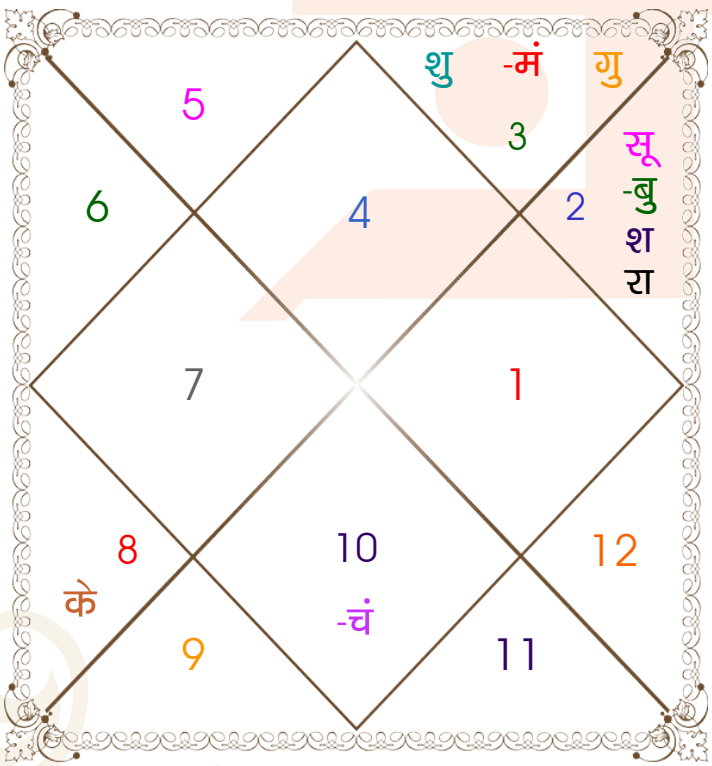

चन्द्र कुंडली

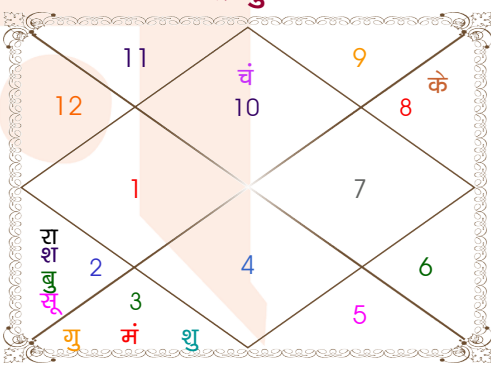

नवमांश कुंडली

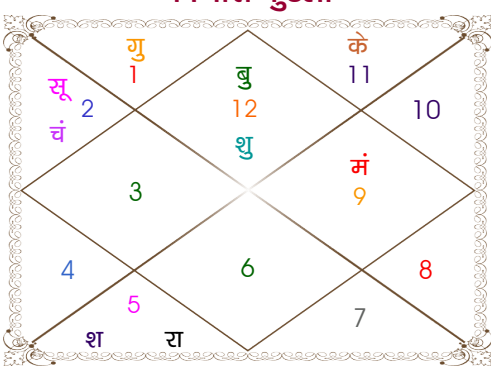

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 10 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/05/2002		10/04/2009		10/04/2016		10/04/2034		10/04/2050	
10/04/2009		10/04/2016		10/04/2034		10/04/2050		10/04/2069	
	00/00/0000	मंगल	06/09/2009	राहु	22/12/2018	गुरु	29/05/2036	शनि	13/04/2053
	00/00/0000	राहु	25/09/2010	गुरु	17/05/2021	शनि	10/12/2038	बुध	22/12/2055
	31/05/2002	गुरु	01/09/2011	शनि	23/03/2024	बुध	17/03/2041	केतु	30/01/2057
गुरु	11/07/2003	शनि	10/10/2012	बुध	10/10/2026	केतु	21/02/2042	शुक्र	01/04/2060
शनि	08/02/2005	बुध	07/10/2013	केतु	29/10/2027	शुक्र	22/10/2044	सूर्य	14/03/2061
बुध	11/07/2006	केतु	05/03/2014	शुक्र	28/10/2030	सूर्य	10/08/2045	चंद्र	13/10/2062
केतु	09/02/2007	शुक्र	05/05/2015	सूर्य	22/09/2031	चंद्र	10/12/2046	मंगल	22/11/2063
शुक्र	10/10/2008	सूर्य	10/09/2015	चंद्र	23/03/2033	मंगल	16/11/2047	राहु	28/09/2066
सूर्य	10/04/2009	चंद्र	10/04/2016	मंगल	10/04/2034	राहु	10/04/2050	गुरु	10/04/2069

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/04/2069		10/04/2086		10/04/2093		11/04/2113		12/04/2119	
10/04/2086		10/04/2093		11/04/2113		12/04/2119		00/00/0000	
बुध	07/09/2071	केतु	07/09/2086	शुक्र	10/08/2096	सूर्य	30/07/2113	चंद्र	10/02/2120
केतु	03/09/2072	शुक्र	07/11/2087	सूर्य	10/08/2097	चंद्र	28/01/2114	मंगल	10/09/2120
शुक्र	05/07/2075	सूर्य	14/03/2088	चंद्र	11/04/2099	मंगल	05/06/2114	राहु	12/03/2122
सूर्य	10/05/2076	चंद्र	13/10/2088	मंगल	11/06/2100	राहु	30/04/2115	गुरु	01/06/2122
चंद्र	10/10/2077	मंगल	11/03/2089	राहु	12/06/2103	गुरु	16/02/2116		00/00/0000
मंगल	07/10/2078	राहु	29/03/2090	गुरु	10/02/2106	शनि	28/01/2117		00/00/0000
राहु	25/04/2081	गुरु	05/03/2091	शनि	11/04/2109	बुध	05/12/2117		00/00/0000
गुरु	01/08/2083	शनि	13/04/2092	बुध	10/02/2112	केतु	11/04/2118		00/00/0000
शनि	10/04/2086	बुध	10/04/2093	केतु	11/04/2113	शुक्र	12/04/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।